Eternal Hindu

In Association

ITIHASA
इतिहासः पञ्चमो वेदः

अयोध्या का कालानुक्रमिक इतिहास

The Chronological History Of Ayodhya

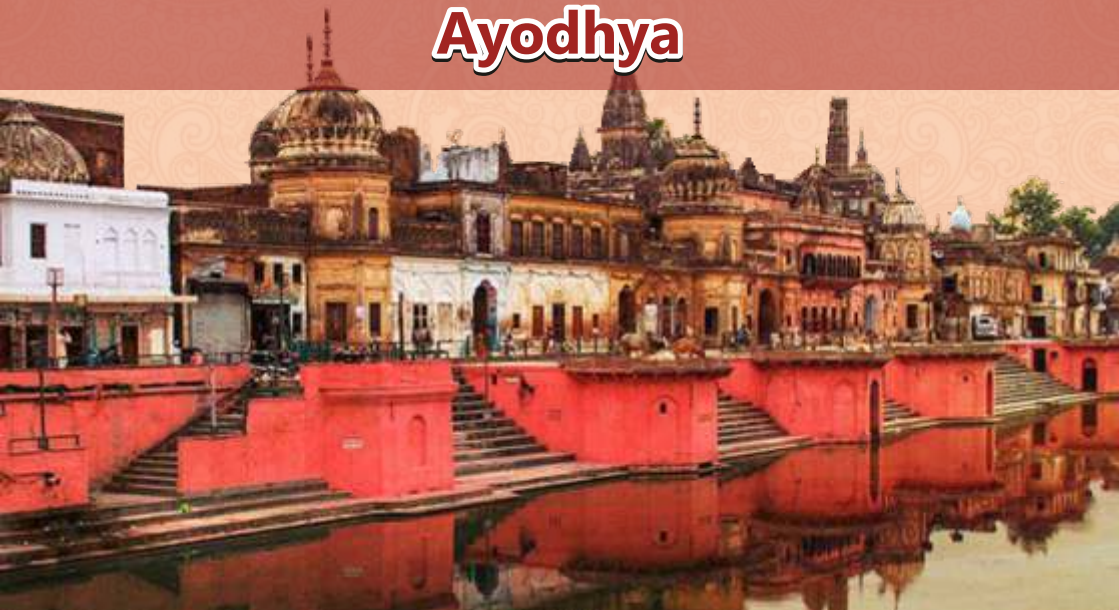

In Association

Supported by

इटर्नल हिंदू के इतिहास प्रकल्प के द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर और भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से "अयोध्या का कालानुक्रमिक इतिहास" प्रस्तुत किया गया है। यह प्रस्तुति श्री वेदवीर आर्य के शोध पर अधारित है।

Eternal Hindu and ITIHASA presents the Chronological History of Ayodhya In association with Indian Knowledge System (IKS), Ministry of Education and supported by Indian Council of Historical Research (ICHR), Ministry of Education. This presentation is based on the research of Shri. Vedveer Arya

Other Supporting Partner

अयोध्या का कालानुक्रमिक इतिहास

- मनु ने प्रारंभिक वैदिक युग के दौरान लगभग १३८०० ई. पू. सरयू नदी के तट पर अयोध्या शहर की स्थापना की थी। ऋग्वेद (10.64 और 4.30.18) के मंत्रों में सरयू नदी का उल्लेख मिलता है।
  Manu founded the city of Ayodhya on the banks of Sarayu River around 13800 BCE during the early Vedic era. Rigveda (10.64 & 4.30.18) refers to Sarayu River.

- लगभग १३६००-१२६०० ई. पू. देव-असुर संग्राम के दौरान अयोध्या देवों की राजधानी बनी। अथर्ववेद (10.2.31) में अयोध्या को देवों की राजधानी कहा गया है।
  Ayodhya became the capital of Devas during the Deva-Asura Sangram around 13600-12600 BCE. Atharvaveda(10.2.31) refers to Ayodhya as the capital of Devas.

- रैवत मनु ने लगभग 12500 ई. पू. सौराष्ट्र में अपनी नई राजधानी "कुशस्थली" की स्थापना की।
  Raivata Manu founded his new capital "Kushasthali" in Saurashtra around 12500 BCE.

- वैवस्वत मनु और उनके पुत्र इक्ष्वाकु और उनके बारह वंशज सौराष्ट्र और मध्यदेश में 11250-11000 ई. पू. के आसपास राज्य करते थे।
  Vaivasvata Manu and his son Ikshvaku and his twelve descendants reigned in Saurashtra and Madhyadesha around 11250-11000 BCE.

- इक्ष्वाकु राजा असित के पुत्र राजा सगर ने 11000 ई. पू. के आसपास अपनी राजधानी सौराष्ट्र से अयोध्या स्थानांतरित की, जब वैदिक सरस्वती नदी "विनशन" नामक स्थान पर रेत में लुप्त हो गई और सरस्वती नदी का प्रवाह कुरुक्षेत्र से पश्चिम की ओर मुड गया।
  King Sagara, son of Ikshvaku King Asita shifted his capital from Saurashtra to Ayodhya around 11000 BCE when Vedic Sarasvati River lost in sands at Vinashana and the flow of Sarasvati River had shifted westwards from Kurukshetra.

- अयोध्या ११००० ई. पू. से ४७०० ई. पू. तक उत्तर भारत की राजधानी थी और इक्ष्वाकु वंश के कुल ६० राजाओं ने ११०००-५६३५ ई. पू. के आसपास शासन किया और श्री राम ६१वें राजा थे।
  Ayodhya was the capital of North India from 11000 BCE to 4700 BCE and total 60 kings of Ikshvaku dynasty reigned around 11000-5635 BCE and Sri Rama was the 61st king.

- त्रेता युग का समय 6777-5577 ई. पू. १२०० वर्षों का था और रामायण की घटनाएं त्रेता युग की अंतिम शताब्दी यानी 5677-5577ई. पू. में हुई थीं।
  Treta Yuga was around 6777-5577 BCE and the Ramayana events took place in the last century of Treta Yuga i.e. 5677-5577 BCE.

- श्री राम का जन्म 3 फरवरी 5674 ई. पू. में हुआ था। उन्होंने 30 नवंबर 5635 ई. पू. में रावण का वध किया और 21 दिसंबर 5635 ई. पू. में अयोध्या के राजा बने।
  Sri Rama was born on 3rd Feb 5674 BCE. He killed Ravana on 30 Nov 5635 BCE and became the king of Ayodhya on 21 Dec 5635 BCE.

- राजा अग्निवर्ण (4750 ई. पू.) के शासनकाल के दौरान, इक्ष्वाकु वंश का पतन हो जाने के कारण कुरु वंश (भरत की एक शाखा) का उदय हुआ। हस्तिनापुर उत्तर भारत की राजधानी बनी।
  During the reign of Agnivarna (4750 BCE), the decline of Ikshvaku dynasty led to the rise of Kuru dynasty (a branch of Bharatas). Hastinapur became the capital of North India.

- महाभारत युद्ध 3162 ई. पू. (25 अक्टूबर 3162 ई. पू.) में हुआ था और अयोध्या के राजा बृहद्बल राजा युधिष्ठिर के समकालीन थे।
  Mahabharata war took place in 3162 BCE (25 Oct 3162 BCE) and Ayodhya King Brihadbala was a contemporary of King Yudhishthira.

- बृहत्क्षय से सुमति तक अयोध्या के कई राजाओं ने 3162 ई. पू. से 1662 ई. पू. तक अयोध्या पर शासन किया। इस अवधि के दौरान, अयोध्या को साकेत के नाम से जाना जाने लगा।
  Many kings of Ayodhya from Brihatkshaya to Sumati reigned over Ayodhya from 3162 BCE to 1662 BCE. During this period, Ayodhya came to be known as Saketa.

- बुद्ध का जन्म 1944 ई. पू. में हुआ था और उन्होंने 1864 ई. पू. में निर्वाण प्राप्त किया था। उनके पिता राजा शुद्धोदन इक्ष्वाकु वंश के वंशज थे।
  Buddha was born in 1944 BCE and attained Nirvana in 1864 BCE. His father King Shuddhodana was a descendant of Ikshvaku dynasty.

- महापद्म नंद (1662-1608 ई. पू.) ने इक्ष्वाकु राजा सुमति के शासनकाल के दौरान अयोध्या पर विजय प्राप्त की और इसे मगध साम्राज्य का हिस्सा बना दिया।
  Mahapadma Nanda (1662-1608 BCE) conquered Ayodhya during the reign of Ikshvaku King Sumati and made it part of the Magadha empire.

- मौर्य राजा शालिशूक (1494-1481 ई. पू.) के शासनकाल के दौरान, तक्षशिला और शाकल के यवनों ने साकेत शहर यानी अयोध्या पर आक्रमण किया और उसे नष्ट कर दिया।
  During the reign of Maurya King Shalishuka (1494-1481 BCE), the Yavanas of Takshashila and Sakala invaded and destroyed the city of Saketa i.e. Ayodhya.

- चंद्र वंश के राजा विक्रमादित्य (984-925 ई. पू.) ने अयोध्या शहर को फिर से स्थापित किया था और जन्मभूमि क्षेत्र में विष्णु अवतार श्री राम के मंदिर का निर्माण किया था।
  King Vikramaditya (984-925 BCE) of Chandra dynasty had re-established the city of Ayodhya and constructed the temple of Vishnu Avatar Sri Rama at the Janmabhoomi Kshetra.

- अयोध्या में खुदाई में मिले विष्णु-हरि शिलालेख कन्नौज के गाहड़वाल राजाओं के शासन के समय विष्णु-हरि (विष्णु का अवतार) के एक मंदिर का उल्लेख करते हैं।
  The Vishnu-Hari inscription found in the excavations at Ayodhya refers to a temple of Vishnu-Hari (incarnation of Vishnu)during the period of Gahadwala Kings of Kanauj.

- गुरु नानक देव जी अयोध्या के मंदिर में दर्शन के लिए गए थे।
  Guru Nanak Dev Ji visited the temple of Ayodhya for darshan.

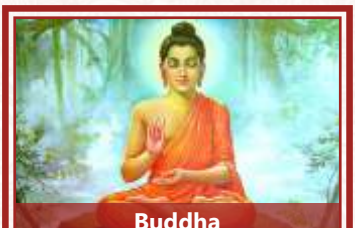
Buddha

Guru Nanak Dev Ji

- एनडब्ल्यूपी और अवध में पुरावशेष और शिलालेख के अध्ययन के बाद ए. फ्यूहरर द्वारा १८९१ में कहा गया है, "यह स्थानीय रूप से पुष्टि की जाती है कि मुसलमानों के विजय के समय अयोध्या में तीन महत्वपूर्ण हिंदू मंदिर थे: "जन्मस्थान", "स्वर्गद्वार" और "त्रेता के ठाकुर"। इनमें से सबसे पहले मीर खान ने बाबर के शासनकाल के दौरान 930 हिजरी में एक मस्जिद का निर्माण किया।
  Momental Antiquities and Inscriptions in NWP & Oudh by A. Fuhrer 1891 states, "It is locally affirmed that at the Musalman conquest there were three important Hindu temples at Ayodhya: these were the 'Janmasthan', the 'Svargadvar', and the 'Treta Ke Thakur'. On the first of these Mir Khan built masjid, in A.H. 930 during the reign of Babar.

- 1858 में प्रकाशित एडवर्ड थॉर्नटन के 1854 के विवरणिका में उल्लेख है कि स्थानीय परंपरा के अनुसार, इन मंदिरों को औरंगजेब द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था। जिनके स्थान पर एक मस्जिद का निर्माण किया था। हालाँकि मस्जिद के दीवार पर स्थित एक शिलालेख से पता चलता है के बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण किया था।
  Edward Thornton's Gazetteer of 1854 published in 1858 mentions that "according to native tradition, they were demolished by Aurangzeb, who built a mosque on part of the site. The falsehood of the tradition is, however, proved by an inscription on the wall of the mosque, attributing the work to the conqueror Baber, from whom Aurangzeb was fifth in descent.

- 22 दिसंबर 1949 की रात को भवन के केंद्रीय गुंबद के नीचे भगवान श्री राम की मूर्ति को विधिवत समारोह के साथ स्थापित किया गया था।
  On the night of 22nd December 1949, the idol of Bhagwan Shri Rama was installed with a due ceremony under the central dome of the building.

- 1990 में, कोठारी भाइयों - राम और शरद सहित पुलिस फायरिंग में 17 से अधिक कारसेवक मारे गए।
  In 1990, more than 17 Kar Sevaks were killed in police firing including Kothari brothers – Ram and Sharad.

- 6 दिसंबर 1992 को, विवादित ढांचे को ध्वस्त कर दिया गया और श्री राम का एक अस्थायी मंदिर स्थापित किया गया।
  On 6 Dec 1992, the disputed structure was demolished and a temporary temple of Sri Rama was set up.

Ram and Sharad

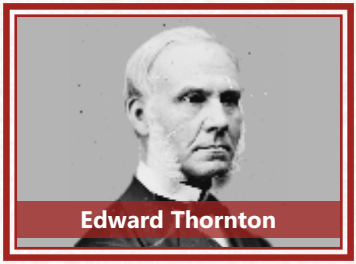
Edward Thornton

- सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर 2019 को अंतिम फैसला सुनाया और राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के लिए भूमि (2.77 एकड़) को एक ट्रस्ट को सौंपने काआदेश दिया।
  Supreme Court delivered final judgement on 9 Nov 2019 and ordered the land (2.77 acres) to be handed over to a trust for building of Ram Janmabhoomi temple.

- 5 अगस्त 2020 को, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री राम के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए अयोध्या में भूमि पूजन किया।
  On 5 Aug 2020, Prime Minister Narendra Modi performs Bhumi Pujan in Ayodhya for construction of a grand temple of Sri Rama.

Ayodhya Kings of Manu Dynasty	In BCE / ई.पू	मनु वंश के अयोध्या राजा
Manu, the founder of Ayodhya City		मनु, अयोध्या शहर के संस्थापक
Trivrisna	13550-13530	त्रिवृषण
Tryaruna	13530-13500	त्र्यारुण
Satyavrata Trisanku	13500-13450	सत्यव्रत त्रिशंकु
Harischandra	13450-13425	हरिश्चंद्र
Raivata Manu, the founder of Kushasthali	12500	कुशस्थली के संस्थापक रैवत मनु
Chakshusha Manu	11800	चाक्षुष मनु

Vivasvan (Surya)	11290	विवस्वान (सूर्य)
Vaivasvat Manu	11270	वैवस्वत मनु
Iksvaku	11250	इक्ष्वाकु
ViKuksi	11230	विकुक्षी
Kakustha or Purañjaya	11210	काकुस्थ या पुरंजय
Kuvalayasva I	11190	कुवलयाश्व प्रथम
Yuvanasva I	11170	युवनाश्व प्रथम
Mandhata I	11150	मान्धाता प्रथम
Susandhi, Ambarisa, Purukutsa and Muchukunda	11120	संधि, अंबरीश, पुरुकुत्स और मुचुकुंद
Dhruvasandhi I (Son of Susandhi) & Trasadasyu (Son of Purukutsa)	11100	ध्रुवसंधि प्रथम (सुसंधि का पुत्र) और त्रसदस्यु (पुरुकुत्स का पुत्र)
Bharata (Son of Dhruvasandhi)	11050	भरत (ध्रुवसंधि का पुत्र)
Asita	11030	असित

Iksvaku kings of Ayodhya		अयोध्या के इक्ष्वाकु राजा
Bahu or Bahuka		बाहू या बाहूक
Sagara I	11000-10950	सागर प्रथम
Barhiketu, Suketu, Dharmaratha and Panchajana or Panchananda	10950-10900	बरहीकेतु, सुकेतु, धर्मरथ और पंचजन या पंचानन्द
Bhajeratha or Bhagiratha I	10900-10850	भजेरथ या भगीरथ प्रथम

Sasada	7600-7570	शशाद
Kakustha I	7570-7530	काकुस्थ प्रथम
Anenah or Suyodhana	7530-7500	अनेना या सुयोधन
Prithu	7500-7470	पृथु
Visvagasva	7470-7430	विश्वागश्व
Ardra or Damaka or Indu	7430-7400	आर्द्रा या दमका या इंदु
Yuvanasva II	7400-7460	युवनाश्व II
Sravasta (the founder of the city of Sravasti)	7460-7430	श्रावस्त (श्रावस्ती शहर के संस्थापक)
Brihadasva	7430-7400	बृहदश्व
Kuvalasva II	7400-7360	कुवलयाश्व II
Dridhasva	7360-7330	दृढाश्व
Pramoda	7330-7300	प्रमोद
Haryasva I	7300-7260	हर्यश्व प्रथम
Nikumbha	7260-7230	निकुंभ
Samhatasva	7230-7200	संहताश्व
Krisasva and Akritasva	7200-7160	कृशाश्व और आकृताश्व
Prasenajit (Son of Kririsava)	7160-7130	प्रसेनजित (कृशाश्व का पुत्र)
Yuvanasva II and Mandhata II (Sons of Prasenajit)	7130-7100	युवनाश्व II और मान्धाता II (प्रसेनजित के पुत्र)

Mandhata II	7100-7070	मान्धाता II
Purukutsa (Son of Mandhata II)	7070-7040	पुरुकुत्स (माँधाता द्वितीय का पुत्र)
Vasuda (Son of Purukutsa)	7040-7000	वसुद (पुरुकुत्स का पुत्र)
Sambhuta	7000-6960	सम्भूत
Anaranya I	6960-6730	अनरण्य प्रथम
Trisadasva	6930-6900	त्रिशदश्व
Haryasva II	6900-6860	हर्यश्व द्वितीय
Vasumata	6860-6830	वसुमत
Tridhanva	6830-6800	त्रिधन्वा
Tryaruna	6800-6770	त्र्यारुण
Satyavrata	6770-6730	सत्यव्रत
Satyaratha	6730-6700	सत्यरथ
Harischandra	6700-6670	हरिश्चंद्र
Rohitasva	6670-6630	रोहिताश्व
Harita, Chanchu	6630-6600	हरित, चंचू
Vijaya	6600-6560	विजय
Ruruka	6560-6530	रूरुक
Vrika	6530-6500	वृक
Bahu	6500-6460	बाहु
Sagara II	6460-6430	सागर II
Asamanjasa	6430-6400	असमंजस
Ansuman	6400-6360	अंशुमान
Dilipa I Khatvanga	6360-6330	दिलीप प्रथम खट्वाङ्ग
Bhagiratha II	6330-6300	भागीरथ द्वितीय
Sruta or Srutasena	6300-6270	श्रुत या श्रुतसेन
Nabhaga	6270-6230	नाभाग
Ambarisa	6230-6200	अंबरीश
Sindhudvipa	6200-6160	सिंधुद्वीप
Ayutayu or Ayutajit	6160-6120	अयुतायु या अयुतजित
Rituparna	6120-6080	ऋतुपर्ण
Artaparni or Kalmasapada II	6080-6040	आर्तपर्णी या कल्माषपाद
or Mitrasaha		द्वितीय या मित्रसह
Sarvakarma	6040-6000	सर्वकर्मा
Anaranya II	6000-5960	अनरण्य द्वितीय
Mulaka	5960-5920	मूलक
Sataratha	5920-5880	शतरथ
Ilavila or Ailavila	5880-5840	इलविल या ऐलविल
Visvasaha	5840-5800	विश्वसह

The genealogy of Iksvaku Kings (Kalidasa's Raghu Vamsa)
इक्ष्वाकु राजाओं की वंशावली (कालिदास के रघुवंश)

Dilipa II Ailavila (Son of Ilavila)	**5800-5770**	**दिलीप द्वितीय ऐलविल (इलविल का पुत्र)**
Raghu II or Dirghabahu	**5770-5740**	**रघु द्वितीय / दृढबाहु**
Aja	**5740-5700**	**अज**
Dasaratha	**5700-5649**	**दशरथ**
Rama	**5635-5590**	**राम**
Kusa	**5590-5530**	**कुश**
Atithi (killed in a war with Asura Durjaya.)	**5530-5500**	**अतिथि (असुर दुर्जय के साथ युद्ध में मारा गया।)**
Nisada	**5500-5470**	**निषाद**
Nala	**5470-5440**	**नल**
Nabhas	**5440-5400**	**नभस**
Pundarika	**5400-5370**	**पुण्डरीक**
Ksemadhanva	**5370-5330**	**क्षेमधन्वा**
Devanika	**5330-5300**	**देवानीक**
Ahinagu	**5300-5260**	**अहिनागु**
Parip tra	**5260-5230**	**परिपात्र**
Sila	**5230-5200**	**शील**
Unnabha	**5200-5170**	**उन्नाभ**
Vajranabha	**5170-5140**	**वज्रनाभ**
Sankhana	**5140-5100**	**शंखन**
Vyusitasva	**5100-5070**	**व्युषिताश्व**
Visvasaha	**5070-5040**	**विश्वसह**
Hiranyanabha	**5040-5000**	**हिरण्यनाभ**
Kausalya	**5000-4970**	**कौशल्य**
Brahmistha	**4970-4930**	**ब्रह्मिष्ठ**
Putra	**4930-4900**	**पुत्र**
Pusya	**4900-4870**	**पुष्य**
Dhruvasandhi (killed by a lion when his son Sudarsana was six years old)	**4870-4850**	**ध्रुवसंधि (जब उसका पुत्र सुदर्शन छह वर्ष का था तब शेर द्वारा मारा गया)**
Sudarsana	**4850-4800**	**सुदर्शन**
Agnivarna	**4800-4780**	**अग्निवर्ण**
Wife of Agnivarna	**4780-4750**	**अग्निवर्ण की पत्नी**
Sighra II	**3450-3400**	**शीघ्र II**
Maru II	**3400-3370**	**मरू II**
Prasusruta II	**3370-3330**	**प्रसूश्रुत II**
Susandhi	**3330-3300**	**सुसंधि**
Amarsa	**3300-3260**	**अमर्ष**

Mahasvat	3260-3230	महास्वत
Visrutavat	3230-3200	विश्रुतवत
Brihadbala	3200-3162	बृहदबल
Brihatksaya	3162-3100	बृहत्क्षय
Urukriya	3100-3050	उरुक्रिय
Vatsavyuha	3050-3000	वात्सव्यूह
Prativyoma	3000-2950	प्रतिव्योम
Bhanu	2950-2900	भानु
Divakara	2900-2850	दिवाकर
Sahadeva	2850-2810	सहदेव
Brihadasva	2810-2770	बृहदश्व
Bhanuratha	2770-2720	भानुरथ
Pratitasya	2720-2680	प्रतितस्य
Supratika	2680-2650	सुप्रतीक
Marudeva	2650-2610	मरुदेव
Sunaksatra	2610-2570	सुनक्षत्र
Puskara or Kinnara	2570-2530	पुष्कर या किन्नर
Antariksa	2530-2490	अन्तरिक्ष
Suvarna	2490-2450	सुवर्ण
Sumitra or Amitrajit	2450-2410	सुमित्र या अमित्रजित
Brihatraja	2410-2370	बृहतराज
Barhi	2370-2330	बर्हि
Kritanjaya	2330-2290	कृतंजय
Rananjaya	2290-2240	रणंजय
Sanjaya	2240-2200	संजय
Sakya	2200-2150	शाक्य
Okkamukha or Ulkamukha	2150-2120	ओक्कमुख या उल्कामुख
Sivisanjaya	2120-2080	शिवसंजय
Sihassara	2080-2040	सिहस्सर
Jayasena	2040-2000	जयसेन
Simhahanu	2000-1950	सिंहहनु
Suddhodana	1950-1900	शुद्धोदन
Siddhartha	1920-1915	सिद्धार्थ
Rahula	1900-1850	राहुल
Prasenajit	1850-1820	प्रसेनजित
Ksudraka	1820-1790	क्षुद्रक
Ranaka	1790-1760	रणक
Suradha	1760-1730	सुरध
Sumitra	1730-1662	सुमित्र

स्रोत: 'भारत का कालक्रम: मनु से महाभारत तक', श्री वेदवीर आर्य

Chronology of the Ramayana Era

स्रोत: 'भारत का कालक्रम: मनु से महाभारत तक', श्री वेदवीर आर्य

1. **Birth Date of Bhagwan Shri Rama Ji (Rama Navami) : 3rd February 5674 BCE**
   भगवान श्रीराम की जन्मतिथि (चैत्र शुक्ल नवमी)
   The Historical Events of Ramayana took place in the last century of 'TretaYuga'(5677-5577 BCE). Bhagwan Shri Rama Ji born on the 9th tithi of Chaitra month,'Punarvasu Naksatra' , Karkata Lagna.

2. **The Birth Date of Mata Sita Ji (Janaki Navami) : 16th February 5667 BCE**
   माता सीता की जन्मतिथि (जानकी नवमी)
   Mata Sita Ji was born on Vaisakha Sukla Navami. 'Pushya Naksatra'. Since Mata Sita Ji was 7 years Younger than Bhagwan Shri Rama ji.

3. **The Marriage of Bhagwan Shri Rama ji - Mata Sita Ji (Vivaha Panchami) : 5th December 5655 BCE**
   श्रीराम और माता सीता के विवाह की तिथि (विवाह पँचमी)
   Ramayana indicates that Shri Rama Ji and Mata Sita Ji were married in'Uttara Phalguni Naksatra'. Mata Sita Ji was 13 Years old (12 Years 10 Months)at the time of marriage.

4. **Shri Rama left Ayodhya for Vanvas : 26th November 5649 BCE**
   श्रीराम का अयोध्या से वनवास केलिए प्रस्थान
   'Pushya Purnima'. Shri Rama Ji was 25 years old and mata Sita JI was 18 years old when they left Ayodhya for Vanavas.

5. **Hanuman Ji returned from Lanka : 3rd August 5635 BCE**
   हनुमान का श्रीलंका से वापस आना
   Searching the whereabouts of Mata Sita Ji, Hanuman Ji crossed sea to reach Lanka and returned back to Mahendragiri.

6. **Bhagwan Shri Rama Ji ordered Vanara Sena to march towards lanka : 4th September 5635 BCE**
श्रीराम का वानारसेना को लंका की ओर कूच करने का आदेश
'uttara Phalguni Nakshatra'. While speaking to Bhagwan Shri Rama Ji, Lakshmana Ji mentions that a 'Dhumaketu' (Comet) is now visible in 'Mula nakshatra' which indicates the imminent defeat of Rakshasas.

7. **Bhagwan Shri Rama Ji killed Ravana (Vijaya Dasami) : 30th November 5635 BCE**
श्रीराम द्वारा रावणवध (विजयदशमी)

8. **Bhagwan Shri Rama Ji arrived at Bharadwaja Ashram : 18th December 5635 BCE**
श्रीराम का भारद्वाज आश्रम में आगमन

9. **Bhagwan Shri Rama Ji met Bharata Ji : 10th December 5635 BCE**
श्रीराम और भरत का मिलन

10. **Bhagwan Shri Rama Ji arrived in Ayodhya : 20th December 5635 BCE**
श्रीराम का अयोध्या में आगमन

11. **Rama's Rajya Bhishek at Ayodhya : 21st December 5635 BCE**
श्रीराम का अयोध्या में राज्याभिषेक

भारतीय ज्ञान परम्परा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार इतिहास में रुचि रखने वाले विशेषज्ञ विद्वानों, शोधार्थियों को अयोध्या के इतिहास से सम्बंधित तथ्यों, खगोलिय संदर्भ, वैज्ञानिक और तार्किक निष्कर्ष, साहित्यिक साक्ष्यों पर सारगर्भित शोध लेखों के लिये आमंत्रित करता है।

Indian Knowledge System (IKS), Ministry of Education, Govt of India invites scholars and researchers for comprehensive discussions on various facts, archaeoastronomical references, scientific and literary evidences relating to the History of Ayodhya.

Contact :

Indian Knowledge System, MInistry of Education, AICTE,Nelson Mandela Marg, Vasant Kunj, New Delhi. 110070

Tel No : +91 11 29581523 | **Email** : coiks@aicte-india.org

Website : https://iksindia.org/

Pujaniya
Shri. Vijay Kaushal Ji Maharaj
Chief Mentor

Mananiya
Shri. K. N. Govindacharya
Chief Patron

Dr. Vedveer Arya
Mentor - **ITIHASA, Prakalp**

Dr. Rakesh Pandey
Convener, **ITIHASA**

Sushri Anwita Chaudhary
Co-Convener, **ITIHASA**

Md. Dr. Md. Yahya Saba
Co-convener, **ITIHASA**

hindueternal | itihasaorg | shashwatbharatam

@HinduEternal | YouTube Samwad Forum | eternal_hindu

Eternal Hindu

Navi Mumbai
S - 38, Parth Building, Sector – 13, Kharghar, Navi Mumbai – 410210
+91 8657144149

New Delhi
4th Floor, B – 78, Dashrathpuri, Palam Dabri Road, New Delhi – 110045
+91 8657144159

Email : hindueternal@gmail.com | **Website :** www.eternalhindu.org